



कक्षा: 10 (सामाजिक विज्ञान) पाठ 2.

गुरु नानक देव जी से पहले, ब्रह्मांड के स्वामी राजनीतिक और सामाजिक स्थिति



(क) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 1-15 शब्दों में दीजिए:-

1. बहलोल खान लोधी कौन थे?

उत्तर: बहलोल खान लोधी 1450 ई. से 1489 ई. तक हाली के सुल्तान थे।

2. इब्राहिम लोधी का एक गुण बताइए।

उत्तर: वह एक बहादुर स्पेनिश और सफल जनरल था।

3. इब्राहिम लोधी के दो गुणों का वर्णन कीजिए।

उत्तर-1. इब्राहिम लोधी स्वयं एक पठान थे लेकिन उन्होंने पठानों को शिक्षा दी।

प्रकृति और व्यवहार को अच्छी तरह से न समझना

2. वह अपनी पढ़ाई में अनुशासन बनाए रखना चाहता था लेकिन वह सफल नहीं हुआ।

4. बाबर ना शत्रु पर विजय कब प्राप्त हुई और इस युद्ध में उसने किसे मारा?

उत्तर: बाबर ने 21 अप्रैल 1526 ई. को पंजाब पर विजय प्राप्त की और इस युद्ध में उसने इब्राहिम लोधी को मार डाला।

5. मुस्लिम समाज विभिन्न वर्गों में किस प्रकार विभाजित था?

उत्तर- 1. अमीर और सरकार 2. उलेमा और सैयद 3. मध्यम वर्ग 6. उलेमा के बारे में आप क्या जानते हैं?

4. गुलाम या दास।

उत्तर - वह एक मुस्लिम धार्मिक नेता थे जो अरबी और धार्मिक साहित्य में प्रमुख थे।

7. मुस्लिम और हिंदू समाज की खान-पान की आदतों में क्या अंतर था?

उत्तर-मुस्लिम समाज में, अमीरों, शासकों, ऋषियों, शेखों, मुल्लाओं और काज़ियों का भोजन मक्खन, काली मिर्च और मसालों से भरपूर होता था। हिंदुओं का

भोजन सादा और शाकाहारी था। भोजन में सब्ज़ियाँ, गेहूँ, चावल, बाजरा,

और हूग प्रसिद्ध था।

8. सैय्यद कौन थे?

उत्तर: सय्यिदुना स्वयं को महान मुस्लिम महिला बीबी फ़ातिमा की बेटी मानते थे। मुस्लिम समुदाय में उनका बहुत सम्मान था।

9. मुस्लिम महिलाओं की श्रेणी का वर्णन करें।

उत्तर: इस वर्ग में सरकारी कर्मचारी, नाई, कुली और किसान शामिल थे। उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी थी। सरकारी नौकरियों में लगे लोगों की सामाजिक स्थिति ऊँची मानी जाती थी।

10. मुस्लिम महिलाओं की पोशाक का वर्णन करें।

उत्तर: मुस्लिम महिलाएं सुरक्षा के लिए जंपसूट, घाघरा, टाइट पायजामा और बुर्का पहनती थीं।

11. मुसलमानों के मनोरंजन के साधनों का वर्णन कीजिए।

उत्तर: मुस्लिम शासक और अमीर लोग संगीत सुनते थे। मन में नक्शे बनाना मुख्य वाद्ययंत्र हैं चौगान, घुड़सवारी, घुड़सवारी, नृत्य और

चौपाटी का खेल अमीर और गरीब दोनों में लोकप्रिय था।

(ख) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 30-50 शब्दों में दीजिए:-

1. हसनूद्दीन लोधी की धार्मिक नीति का वर्णन कीजिए।

उत्तर: हसनैन लोधी 'लोधी' की मूर्तियों और वह सबसे प्रसिद्ध राजा था। वह हिंदुओं से घृणा करता था। हिंदू मरे हुए तो मरे हुए हैं। स्मारकों को तोड़ना अपना शौक समझता था। उसका कर्तव्य और न्याय केवल मुसलमानों तक ही सीमित था।

2. हसकुदर लोधी के शासनकाल का वर्णन करें।

उत्तर-1. उसने अपने प्रशासन को केंद्रीकृत किया और अपने राजकुमारों और जागीरों पर पूर्ण नियंत्रण बनाए रखा।

2. उन्होंने 'औलाद खान लोधी' को मध्य पंजाब का शासक नियुक्त किया।

3. उसके प्रांत भेरा से सरहिंद तक थे।

4. वह मुसलमानों के लिए एक उदार शासक था।

3. इब्राहिम लोधी के समय हुए विद्रोहों का वर्णन कीजिए।

उत्तर- वह पठानों में कठोर अनुशासन स्थापित करना चाहता था, लेकिन पठान स्वभाव से लोकतांत्रिक थे। इसलिए उसने इब्राहिम लोधी के विरुद्ध विद्रोह का झंडा बुलंद किया और वह इस विद्रोह को दबाने में असफल रहा। पंजाब का गवर्नर उल्लाह खान लोधी था। वह इब्राहिम लोधी के कठोर, अहंकारी और शंकालु स्वभाव से चिढ़ता था। इसलिए उसने खुद को मुक्त कराने के लिए इब्राहिम लोधी के विरुद्ध षडयंत्र रचने शुरू कर दिए। उसने अफगान शासक बाबर को भारत लाने का प्रयास किया।

4. दिलावर खां लोधी क्यों वीर बना? इब्राहिम लोधी ने उसके साथ कैसा व्यवहार किया?

उत्तर-जे ओह जब इब्राहिम लोधी को उल्ला खान लोधी के कारनामों के बारे में पता चला, तो उसने उल्ला खान लोधी को हाली बुलवाया। वह खुद हाली न जाकर अपने छोटे बेटे हलार खान को वहाँ भेज दिया। जब हलार हाली पहुँचा, तो इब्राहिम लोधी ने उसे बंदी बना लिया। लेकिन वह जल्दी ही भाग निकला और लाहौर पहुँच गया।

KHAN

मैं गयी और अपने पति को पूरी कहानी बतायी।

5. बाबर के सैय्यदपुर मेले का वर्णन कीजिए।

उत्तर: हिसालकोट पर विजय प्राप्त करने के बाद, बाबर ने सईपुर (अम्नाबा) में बाबर का सामना किया। बाबर की सेना ने बाबर के विरुद्ध जमकर युद्ध किया, लेकिन बाबरी पराजित हो गया। शेष सेना का कत्लेआम किया गया। सईपुर के लोगों के साथ क्रूरतापूर्ण व्यवहार किया गया। कई लोगों को गुलाम बना लिया गया। गुरु नानक जी ने अपने महाकाव्य 'बाबरबानी' में इन अत्याचारों का उल्लेख किया है।

6. 1524 ई. की बाबर की बैठक का नाम लिखिए।

उत्तर: उलुत खाँ लोधी ने बाबर को पंजाब में मिलने के लिए आमंत्रित किया। बाबर ने यह निमंत्रण स्वीकार कर लिया और बिना किसी बाधा के 1524 ई. में लाहौर पहुँच गया। यहाँ हबीबर खाँ के नेतृत्व में इब्राहिम लोधी की सेना ने बाबर को रोकने की कोशिश की, लेकिन बाबर ने उन्हें हरा दिया। बाबर ने लाहौर पर कब्ज़ा कर लिया।

उसके बाद, उसने जालंधर और त्रिपालपुर पर आसानी से कब्ज़ा कर लिया। उल्ला खान लोधी को उम्मीद थी कि बाबर उसे सत्ता सौंपकर वापस चला जाएगा। लेकिन बाबर ने लोधी ने विद्रोह कर दिया, उसका परिवार नाराज़ होकर छिप गया। उन इलाकों पर कब्ज़ा करने के साथ ही उसे जालंधर और सुल्तानपुर भी दे दिया। इससे उल्ला खान बाबर ने सुल्तानपुर हलार खान को, त्रिपालपुर आलम खान को और लाहौर अबुल अज़ीज़ को दे दिया और काबुल वापस चला गया।

7. आलम खान ने नौकरी पाने के लिए क्या प्रयास किए?

इब्राहिम लोधी के दुर्भाग्य के कारण अफगान शासकों ने आलम खान को हाली का शासक बनाने की योजना बनाई। लेकिन उलुत खान लोधी ने सिपालपुर में बैठक की और आलम खान को हरा दिया और आलम खान बाबर के पास शरण लेने के लिए काबुल भाग गया। आलम खान ने काबुल पहुंचकर बाबर के साथ संधि की। उस संधि की शर्तें थीं कि बाबर हाली को प्राप्त करने के लिए आलम खान को सैन्य सहायता प्रदान करेगा और आलम खान कानूनी रूप से बाबर को पंजाब के सभी जिलों पर अधिकार देगा। उलुत खान लोधी राज्य का शासक था। उल्ला खान लोधी की मदद से आलम खान ने हाली पर आक्रमण किया था। इब्राहिम लोधी की सेनाओं ने उसे बुरी तरह से हराया, जिसके कारण आलम खान पंजाब या हाली का शासक बनने के अपने सपने को पूरा करने के लिए हुमायूं आंदोलन में शामिल हो गया ^{ओह} जब वह लाहौर पहुंचे तो मुगल शासकों ने

उत्तर-अंबाला पर विजय प्राप्त करने के बाद, बाबर पानीपत की ओर बढ़ा। पानीपत पहुंचकर उसने अपनी चाल चली। सुल्तान इब्राहिम लोधी एक लाख की सेना लेकर उसका सामना करने के लिए आगे बढ़ा। उसकी सेना चार भागों में बँटी हुई थी - अग्रिम सेना, केंद्रीय सेना और बाएँ और दाएँ पार्श्व।

सेना के आगे लगभग पाँच रथ थे। दूसरी ओर, बाबर की सेना के आगे 700 बैलगाड़ियाँ थीं। उसने उन बैलगाड़ियों को चमड़े की रस्सियों से बाँधा था। बैलगाड़ियों के पीछे तोपखाना था। तोपखाने के पीछे अग्रणी सेना और केंद्रीय सेना थी। दाएँ और बाएँ तुलुगमा थे। सबसे पीछे, पूरी घुड़सवार सेना छिपी हुई थी।

9. अमीरों और शासकों के बारे में नोट्स लिखें।

अमीर और शासक उच्च वर्ग के लोग थे। उनका रुतबा ऊँचा था। शासकों के पास एक क्षेत्र था।

वह उस इलाके में ज़मीन खुद इकट्ठा करते थे। अपनी ज़रूरतों पर भी पैसा खर्च करते थे। उनका मुख्य काम अभियानों में हिस्सा लेना था। उनकी रुचि सरकार से स्वतंत्र रहने में थी। वह अलग-अलग गाँवों में रहते थे। वह कई काम करते थे। वह तीन लोगों के लिए काम करते थे।

इसे रखें। कुछ लोग ऐसे भी थे जिन्हें 'दास' कहा जाता था। धनी होने के कारण ये लोग विलासी और परोपकारी थे।

10. मुसलमानों की धार्मिक मान्यताओं पर चर्चा करें।

मुस्लिम धार्मिक वर्ग कई वर्गों में विभाजित था। उलेमा मुस्लिम धार्मिक नेता थे।

खुद को महान मुस्लिम राजकुमारी बीबी फ़ातिमा का वंशज मानते थे। समाज में उनका उलेमाओं के अलावा एक और वर्ग था। वे अरबी और धार्मिक साहित्य के प्रमुख विद्वान थे और बहुत प्रभाव था। उस जाति के लोगों को मुस्लिम कानून का संरक्षक और धार्मिक नेता माना जाता था।

11. दास वर्ग का वर्णन करें।

उत्तर-मुस्लिम समाज में सबसे निचली जातियाँ मजदूर, बुनकर, बढ़ई, मजदूर, दास और हिजड़े थे। दास भी युद्धों में मारे गए दास ही थे। उन्हें भी बर्बर भूमि से भागने पर मजबूर किया गया था।

रानी के महल में हिजड़े दासों को रानी के शासन के लिए रखा जाता था। कई दासियाँ धनी और संपन्न थीं। इन लोगों को खाना-पीना मिलता था। ये अपने सामाजिक स्वभाव पर निर्भर रहते शासकों ^{मन में नक्शे बनाना} थे। दास अपनी बुद्धि और चतुराई का इस्तेमाल करके ऊँचे पद प्राप्त करते थे।

मैं उन्हें ले सकता हूँ. ^{मालिक} या इससे छुटकारा पाओ. ^{वहाँ} थे.

12. मुस्लिम लोग क्या खाते-पीते थे?

उत्तर-मुस्लिम समाज में, मक्खन, काली मिर्च और मसाले मुख्य सामग्री थे। पलाऊ और कोरमा अमीर शासक थे, साधुओं, शेखों, मुल्लाओं और काज़ियों का अपना-अपना भोजन था। परोसे जाने वाले व्यंजनों में साला और शरबत भी शामिल थे। उस समय नशीली दवाओं का प्रयोग व्यापक था। आम मुसलमान शाकाहारी थे। बाज़ार में गेहूँ की रोटी और भुना हुआ मांस ही मुख्य भोजन था। मुसलमान कामगारों में खाने के साथ शराब पीना आम बात थी।

13. मुसलमानों की पोशाक के बारे में बात करें।

उत्तर-1. उच्च वर्ग के मुसलमानों का पहनावा भड़कीला और महंगा था। उनके कपड़े रेशम और सूती कपड़े के बने होते थे। धनी लोग लटकन वाली पगड़ियाँ पहनते थे। पगड़ी को 'चिरा' कहा जाता था।

2. शाही दास बेल्ट पहने हुए थे। वे अपनी जेबों में रूमाल रखते थे। वे लाल जूते पहनते थे। उनके सिर पर एक आम टोपी होती थी।

धार्मिक थे। वे सात गाज़ी पगड़ियाँ पहनते थे। वे लाल और काले रंग के कपड़े पहनते थे। वे मोज़े और जूते पहनते थे। सूफ़ी खुले वस्त्र पहनते थे। 4. मुस्लिम महिलाएँ जंपर्स, घाघरा और छोटे पायजामा पहनती थीं। चेहरा ढकने के लिए बुर्के का इस्तेमाल किया जाता था। वहाँ थे।

14. मुस्लिम समाज में महिलाओं की स्थिति का वर्णन करें।

उत्तर-1. मुस्लिम समाज में महिलाओं को उचित शिक्षा नहीं मिलती थी।

2. अमीर और शक्तिशाली लोगों के दरबार में महिलाओं को अपमानित किया जाता था। वहाँ थे।

3. उस समय, लेकिन वो बहुत बड़ी बात थी।

4. साधारण घरों में महिलाओं के रहने के लिए 'ज़नान-खाना' होता था।

5. महिलाएं बाहर बुर्का पहने नजर आईं।

15. गुरु नानक देव जी के समय से पहले जाति व्यवस्था पर चर्चा करें।

उत्तर- उस समय समाज चार वर्णों में विभाजित था: ब्राह्मण, क्षत्रिय, आशीष और शूर। इन वर्णों से

निचली जातियाँ अछूत हो गई थीं। ब्राह्मण समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को भूल गए थे और स्वार्थी हो गए थे। वे

वे लोगों को भ्रम में फँसाकर पैसा कमाते थे। ऐश और खत्रिया की हालत ठीक थी। शूरा की हालत खराब थी।

यह बुरा था। उनकी बस्तियाँ गाँवों के बाहर थीं।

16: बाबर और इब्राहिम लोधी के सैन्य गठबंधन के बारे में लिखिए?

उत्तर: बाबर या ओह वह पानीपत पर विजय पाने के लिए निकला, वह पानीपत पहुंचा और वहां पहुंचा।

सुल्तान इब्राहिम लोधी एक लाख की सेना लेकर उसका सामना करने के लिए आगे बढ़ा। उसकी सेना चार भागों में बँटी थी - अग्रिम सेना, केंद्रीय सेना और बाएँ-दाएँ सेनाएँ।

सेना के आगे लगभग पाँच जैस थे। दूसरी ओर, बाबर ने अपनी सेना के आगे 700 बैलगाड़ियाँ खड़ी कर दीं। उसने उन बैलगाड़ियों को चमड़े की रस्सियों से बाँध दिया।

बैलगाड़ियों के पीछे तोपखाना था। तोपों के पीछे अग्रणी सेना और केंद्रीय सेना थी। दाएँ-बाएँ ...

सी।

(ग) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100-120 शब्दों में दीजिए:-

1. गुरु नानक देव जी से पहले पंजाब की राजनीतिक स्थिति का वर्णन करें।

गुरु नानक के जन्म से पहले पंजाब की राजनीतिक स्थिति बहुत खराब थी। इस प्रश्न का उत्तर इस प्रकार है:

1. उस समय पंजाब पर एक तानाशाह का शासन था। शासक कमज़ोर थे और आंतरिक कलह से ग्रस्त थे। पंजाब मौसम ठंडा होता जा रहा था।

2. उस समय पंजाब पर लोधी सुल्तानों का शासन था और वे षड्यंत्र रच रहे थे।

3. हिंदी समाज जातियों और उपजातियों में विभाजित था।

4. समाज में महिलाएँ बहुत गरीब थीं।

5. सरकारी कर्मचारी भ्रष्टाचार के शिकार हो गए थे और अपने कर्तव्यों को भूल गए थे।

5. इस समय पंजाब को 'युद्धक्षेत्र' कहा जाता था।

6. इस समय इब्राहिम लोधी और उल्ला खां लोधी के बीच युद्ध चल रहा था, जिससे बाबर को पंजाब पर आक्रमण करने का प्रोत्साहन मिला।

2. पंजाब पर बाबर की विजय का वर्णन कीजिए।

उत्तर: बाबर ने 1525 ई. में 12000 सैनिकों के साथ काबुल से पंजाब में प्रवेश किया। बाबर पहला था

उल्ला खान लोधी उसे हराना चाहता था, लेकिन उल्ला खान लोधी अपने बेटे गाजी खान के साथ लाहौर से भाग गया और अंततः बाबर के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। इस प्रकार बाबर पंजाब उप-प्रांत का शासक बन गया। उसने सबसे पहले अंबाला पर विजय प्राप्त की। उसने अपने बेटे मयू को झाँसी, हिसार और हफ़ज़ा पर विजय प्राप्त करने के लिए भेजा। इस प्रकार बाबर हाली पानीपत पर विजय पाने के लिए निकला। वह पानीपत पहुँचा और सुल्तान के पास पहुँचा।

इब्राहिम लोधी एक लाख सैनिकों के साथ उसका सामना करने के लिए आगे बढ़ा। बाबर एक सप्ताह तक चुपचाप बैठा रहा। 21 अप्रैल, 1526 ई. को इब्राहिम लोधी की सेना सबसे पहले पहुँची। वह सेना बाबर की बैलगाड़ियों के पास रुकी। बाबर के तोपखाने ने गोलाबारी शुरू कर दी। घायल इब्राहिम लोधी के सैनिक पीछे हट गए और अपनी ही सेना को कुचल दिया। बाबर की घुड़सवार सेना दाएँ और बाएँ दोनों ओर से आगे बढ़ी और दुश्मन को पीछे से घेर लिया। इब्राहिम लोधी और उसके दो लाख सैनिक मारे गए। बाबर ने पंजाब पर पूर्ण विजय प्राप्त कर ली।

स्रोत: डॉ. हरद्विंदर आर.एस.एस. (राज्य संसाधन व्यक्ति, सामाजिक विज्ञान), एस.सी.ई.आर.टी., पंजाब,
रंजीत कौर (लेक्चरर इतिहास) एस.एस.एस. स्कूल छीना बेट, गुरसापुर और
मनीष कौर (एस.एस.एस.एस.एस.के.एस.एस. स्कूल शाखा, लुधियाना)